उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह अक्टूबर, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2017 तक)

विश्वविद्यालय का 12वॉ स्थापना दिवस

दिनांक 31 अक्टूबर, 2017

दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय का 12वॉ स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर वी0एस0 प्रसाद, पूर्व कुलपति, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा डॉ0 भीम राव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद को प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया था। प्रख्यात समाजशास्त्री एवं राजनैतिक विश्लेषक प्रोफेसर पुष्पेश पंत, पूर्व आचार्य, जे0एन0यू0 द्वारा समारोह की अध्यक्षता की गई।

वी0एस0 प्रसाद प्रथम स्थाऔपना दिवस व्याकख्यामन देते हुए

सर्वप्रथम माननीय अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया। समारोह के आरम्भ में दीप प्रज्जवलन तथा उसके पश्चात् विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन किया गया। कुलपति महोदय द्वारा माननीय अतिथियों का स्वागत किया गया। अपने स्वागत भाषण में कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षाऔर विशेषकर ग्रामीण इलाकों में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय बहुत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है और साथ ही विश्वविद्यालय ने शैक्षिक-सत्र को भी नियमित किया है और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा से वंचित रह गये लोगों तक पहुँचाने के पूर्ण प्रयास किये है।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर वी0एस0 प्रसाद ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा पद्धति 'डी टू एच'- डाइरेक्ट टू होम' अर्थात सीधे विद्यार्थियों के घर तक पहुँच बनाने में सफल हुई है। इसी क्रम में प्रोफेसर प्रसाद ने मुक्त तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में निम्न चार मुख्य लक्ष्यों पर महत्व दिया-

- समावेशी गुण्वत्ता शिक्षण हेतु प्रवेश में वृद्धि।
- प्रौद्योगिकी द्वारा मध्यस्थ शिक्षण तथा अधिगम की एक लचीली प्रणाली प्रदान करना।
- ज्ञान, कौशल तथा कार्यरत लोगों की दक्षताओं में उन्नयन।
- ज्ञानयुक्त समाज बनाने तथा जीवन समृद्ध बनाने हेतु आजीवन सीखने के अवसर।

अपने व्याख्यान में उन्होंने व्यक्त किया कि मुक्त विश्वविद्यालयों ने देश में मुक्त तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विश्वविसनीयता तथा वैधता को स्थपित किया है। यह प्रणाली लोगों के कई वर्गों, विशेष रूप से वंचित वर्गों की शिक्षा के अवसर प्रदान करती है, जिन्हें पहले विभिन्न कारणों से औपचारिक उच्च शिक्षा को समृद्ध किया है। मुक्त विश्वविद्यालयों की अध्ययन सामग्री ने ज्ञान संसाधनों के लिए एक महत्वपूर्ण योग है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपनी चिंताओं को भी प्रकट किया कि प्रणाली की समग्र उपलब्धियां प्रशंसनीय हैं किन्तु प्रणाली ने अभी तक अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं किया है।

<u>विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 का लोकार्पण करते हुए</u>

मुक्त विश्वविद्यालयों को वर्तमान परिदृश्य में बदलने की जरूरत है जिसमें उन्हें नई संरचनाएं तथा प्रणालियों का निर्माण करना होगा तथा कार्यरत कर्मचारियों को सशक्त करना भी करना होगा। उन्होंने साक्षा किया कि मुक्त विश्वविद्यालयों को व्यावहारिक तरीके से चीजों के सम्बन्ध सोचना होगा जिससे वे विकास के प्रतिनिधि बनकर उच्च शिक्षा को सुदृढ़ बनाये।

विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन एवं विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूलैटर 'उड़ान के नवीन अंक का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र द्वारा माननीय अतिथियों सहित सभी विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों एवं आयोजन समिति को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह की श्रृंखला में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अध्ययन केन्द्रों एवं विद्यार्थियों हेतु विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में मुख्यालय हल्द्वानी एवं कैम्प कार्यालय, देहरादून में लगभग 100 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिनमें से सभी प्रतियोगिताओं प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस श्रृंखला में रंगोली, सामान्य ज्ञान, पोस्टर निर्माण, निबंध प्रतियोगिता (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में) का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर पुष्पेश पंत अध्यक्षीय भाषण देते हुए

इस क्रम में अपराहं 03:00 बजे से एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस आयेजन में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों ने अपनी-अपनी प्रसतुतियॉ दी। विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा कविता पाठ, भजन गायन, सुगम संगीत एवं लोकगीतों का प्रसतुतिकरण किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर वी0एस0 प्रसाद, कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, निदेशक गण, शिक्षक एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ0 मंजरी अग्रवाल एवं डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा थे।

स्थापना दिवस से संबंधित छायाचित्र संलग्न है। **(संलग्नक-क)**

माननीय अतिथियों द्वारा पौधारोपण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर परिसर देहरादून द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

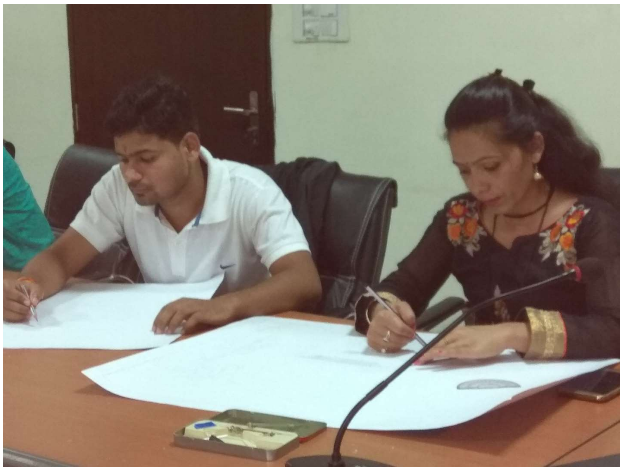

<u>**मुख्यालय तथा परिसर कार्यालय, देहरादून में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते विद्यार्थ**</u>

<u>**राष्ट्रीय एकता दौड़** (Run for Unity)</u>

<u>31st October, 2017</u>

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दिनांक 31, अक्टूबर, 2017 को प्रात: 07:00 बजे आयोजित 'राष्ट्रीय एकता दौड़' में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रो में अध्ययनरत छात्रों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सामूहिक दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता का सन्देश दिया | एकता दौड़ रामलीला मैदान से शुरू होकर तिकोनिया चौराहे होते हुए वापस रामलीला मैदान पर आकर खत्म हुई | इस अवसर पर रॉयल कॉलेज फॉर टूरिज्म व होटल मैनेजमेंट, आई. आई. एम. टी. व स्मार्ट स्किल्स क्लासेज के 100 से अधिक छात्रों ने विश्वविद्यालय के डॉ0 अखिलेश सिंह, सहायक प्रध्यापक, पर्यटन विभाग की अध्यक्षता में आयोजन स्थल पर पहुंच कर सामूहिक दौड़ लगाई| इस दौड़ में अन्य संस्थाओं के साथ-साथ शहर क बड़े बुज़ुर्गों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया| दौड़ की औपचारिक शुरुआत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अजय भट्ट ने हरी झंडी दिखाकर किया| दौड़ की समाप्ति के पश्चात मुख्य अतिथि ने वहां उपस्थित विशाल जन-समूह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई | इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मोहम्मद अकरम, उमा नेगी व मनीष सिंह आदि उपस्थित थे |

'राष्ट्रीय एकता दौड़' से संबंधित छायाचित्र संलग्न है **(संलग्नक- ख)**

<u>**सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 'राष्ट्रीय एकता दौड़' में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के छात्र**</u>

<u>रोजगार सृजन</u>

उत्तराखण्ड मुक्त विशवविद्यालय रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने यहॉ संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों को रोजगार प्रदान करने में प्रयासरत है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र **Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement** (कोड-17064) द्वारा वहॉ पर पंजीकृत छात्रों को देश की विभिन्न संस्थाओं में रोजगार प्रदान किया है जिनका विवरण निम्नलिखित है-

1.) मनोज परिहार	(जिम कॉर्बेट बसोली, बागेश्वर)
2.) गोविन्द सिंह परिहार	(जिम कॉर्बेट बसोली, बागेश्वर)
3.) ललित सिंह नेगी	(जिम कॉर्बेट राम नगर)
4.) धन सिंह परिहार	(जिम कॉर्बेट राम नगर)
5.) कमल सिंह बिष्ट	(रॉयल माउंटैन होटल, रानीखेत)
6.) कमल कांडपाल	(रॉयल माउंटैन होटल, रानीखेत)
7.) नन्द किशोर	(रॉयल माउंटैन होटल, रानीखेत)
8.) प्रदीप डंगवाल	(जिम कॉर्बेट राम नगर)

सामुदायिक रेडियो ‘हैलो हल्द्वानी’ से प्रसारित कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो “हैलो हल्द्वानी” का मोबाइल एप जल्द ही गूगल पर उपलब्ध हो पायेगा। पहाड़ के हर समुदाय की आवाज हैलो हल्द्वानी बनाने का प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो में निम्नलिखत वार्तायें रिकॉर्ड की गईं –

1. पद्मश्री रवि चोपड़ा से साक्षात्कार दिनांक 25 अक्टूबर, 2017 (प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे)
2. प्रोफेसर वी0एस0 प्रसाद से दूरस्थ शिक्षा के भविष्य पर साक्षात्कार दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 (प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे एवं डॉ0 भूपेन सिंह)
3. रैमन मैग्ससे पुरस्कार प्राप्त पत्रकार पी0 साई0 नाथ से साक्षात्कार 18 अक्टूबर 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
4. राजीव रंजन गिरि से साक्षात्कार दिनांक 2 अक्टूबर, 2017 (सुनिता भास्कर)
5. सड़क सुरक्षा पर चर्चा दिनांक 03 अक्टूबर, 2017 (सुनीता भास्कर व अनिल नैलवाल)
6. पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हल्द्वानी में आयोजित तीन दिवसीय ध्रुवपद खयाल पर्व की रेडियो रिपोर्ट दिनांक 6,7 और 8 अक्टूबर, 2017 (श्री अनिल नैलवाल)
7. मशहूर फिल्म निर्माता कुंदन शाह को श्रद्धांजली के बतौर उनका पूर्व में लिया गया साक्षात्कार दिनांक 7 अक्टूबर, 2017(डॉ. भूपेन सिंह)
8. पंतनगर में आयोजित किसान मेले की रेडियो रिपोर्ट 9 अक्टूबर 2017 (सुनीता भास्कर)
9. सी0सी0आर0टी संयोजक गौरी शंकर काण्डपाल से साक्षात्कार 9 अक्टूबर 2017 (सुनीता भास्कर)
10. महिला उद्यमी देवकी देवी से साक्षात्कार 2 अक्टूबर, 2017 (सुनीता भास्कर)
11. रंग भाषा के उभरते गायक हिमांशू ह्यांकी और विंसी गुंज्याल से उनकी उप्लबधियों पर आधारित साक्षात्कार 16 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
12. आयकर अधिकारी मितेश्वर आनंद से साक्षात्कार 16 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
13. युवा श्री ध्रुव रौतेला से साक्षात्कार दिनांक 16 अक्टूबर, 2017 16 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)

14. कसारदेवी अल्मोड़ा में 'होम स्टे' पर 'रेडियो फीचर' दिनांक 20 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
15. पत्रकार लेखक और अनुवादक श्री प्रेम पुनेठा से साक्षात्कार दिनांक 23 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
16. पत्रकार लेखक और अनुवादक प्रेम पुनेठा से साक्षात्कार दिनांक 23 अक्टूबर, 2017 (सुनीता भास्कर)
17. श्री कौशल पाण्डे & ग्रुप से साक्षात्कार दिनांक 24 अक्टूबर, 2017 (डॉ. भूपेन सिंह)
18. राजभाषा अधिकारी श्री जय प्रकाश पाण्डे से साक्षात्कार 25 अक्टूबर, 2017 (सुनीता भाष्कर)
19. बी0एड0 शिक्षक श्री नज़मुल रहमान से साक्षातकार 27 अक्टूबर, 2017 (श्री अनिल नैलवाल)
20. पहाड़ के चित्रकार श्री बी0 मोहन नेगी के श्रद्धांजली 28 अक्टॅबर 2017 (सुनीता भाष्कर)
21. पत्रकार श्री गणेश जोशी से हल्द्वानी के बदलते परिदृश्य पर आधारित साक्षात्कार 30 अक्टूबर 2017 (डॉ0 भूपेन सिंह)

क्रम संख्या 1, 2 तथा 3 के साक्षात्कार की ऑडियों सीडी संलग्न है।

उच्च शिक्षा का पर्वतीय क्षेत्रों में प्रसार

विश्वविद्यालय द्वारा माह सितम्बर-अक्टूबर में 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' के अन्तर्गत राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर तथा विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया गया तथा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया। कुमाँऊ तथा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसके फलस्वरूप माह सितम्बर-अक्टूबर, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-2018 में पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय केन्द्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

स्थान	सितम्बर	अक्टूबर
पौड़ी	102	216
उत्तरकाशी	1637	409
पिथौरागढ़	806	301
रानीखेत	777	338
बागेश्वर	480	405
कुल	4729	1669

गॉधी जयंती तथा स्वच्छता अभियान

2 अक्टूबर, 2017

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में गांधी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 राजीव रंजन गिरी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति व्याख्यान दिया गया। डॉ0 गिरी ने महात्मा गांधी पर विशेष अपने विस्तृत विचार व्यक्त किये और कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा का मार्ग प्रशस्त कर इतिहास में नया अध्याय जोड़ा था। लेकिन आज गांधी जी का चरखा इंटरनेट पर सवाल खड़ा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का कहना था कि अहिंसा की इतनी शक्ति बढ़े कि हिंसा के लिए हथियार न खरीदना पड़े। गांधी जी का कहना था कि अहिंसा साधन ही नही बल्कि साध्य का भी पुजारी है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने गांधी जी और शास्त्री को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सत्य और अहिंसा गांधी जी का महामूल्य है। हमें उन महामानवों के विचारों को आत्मसात करना चाहिए। जबकि कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने महापुरूषों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें स्मरण किया। साथ ही उन्होंने 2 अक्टूवर को उत्तराखंड आंदोलन के दौरान शहीद हुए लोगों को भी श्रद्धांजिल दी। कार्यक्रम का संचालन डा. राजेन्द्र कैड़ा ने किया। व्याख्यान माला के बाद कुलपति प्रो. नागेश्वर राव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे।

<u>डॉ0 राजीव रंजन गिरी 2 अक्टूबर, 2017 को गॉधी जयंती के अवसर पर गॉधी स्मृति व्याख्यान देते हुए</u>

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, परिसर देहरादून द्वारा भी गॉधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रोफेसर दूर्गेश पंत, निदेशक, देहरादून द्वारा गॉधी जी एवं शास्त्रीजी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने कहा कि गांधीजी सदा सादा जीवन व उच्च विचार का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया और सत्य, अहिंसा के अग्रदूत बनकर विश्व शांति का पाठ पढ़ाया। श्री लाल बहादुर शास्त्री जी भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। शास्त्री जी ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर भारतीय जवान व किसान की महत्ता को देश के सामने रखा। परिसर देहरादून द्वारा इस अवसर पर स्वच्छता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

<u>परिसर कार्यालय देहरादून में गॉधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम</u>

गॉधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती से सम्बन्धित कार्यक्रम के अन्य छायाचित्र संलग्न है **(संलग्नक-ग)**

प्रवेश

ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 तक 31,826 विद्यार्थियों के प्रवेश फार्मों की SIS में प्रविष्टि की जा चुकी है।

ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है-

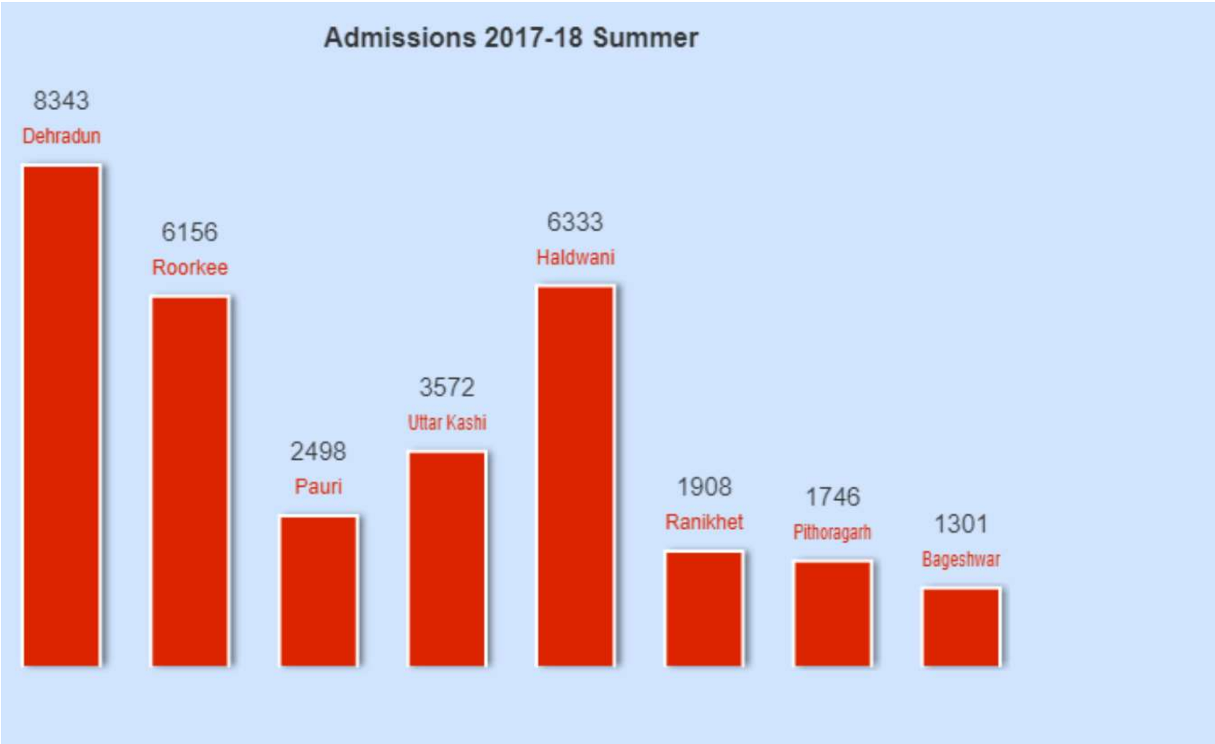

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों- पाठ्यचर्या आयाम, शिक्षण: अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवाऍं एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें- को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपना प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2015-16 में तैयार किया गया है। इसी प्रकार उपरोक्त मानकों के अनुसार वर्ष 2016-17 के वार्षिक प्रतिवेदन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिसका विमोचन विश्वविद्यालय के 12वें

स्थापना दिवस दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को कर लिया गया है जिसे माननीय राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय के अवलोकनार्थ पृथक से प्रेषित किया गया है।

नवीन पाठ्यक्रम

दिनांक 28 सितम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय में आगामी शैक्षणिक सत्र से विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत निम्न नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने संस्तुति हुई है जिसे दिनांक 13 नवंबर 2017 को कार्य परिषद की बैठक में भी संस्तुत किया गया।

क्रम स	विद्याशाखा का	पाठ्यक्रम का नाम	समयावधि
1.	व्यावसायिक अध्ययन	1.वेब डिजानिंग एवं डेवलपमैंट में प्रमाण पत्र।- 2.बैंकिंग वित्त एवं बीमा में प्रमाणपत्र।- 3.इन्डस्ट्रीयल प्रैक्टीसेस में डिप्लोमा। 4.इन्डस्ट्रीयल स्कील्स एवं प्रैक्टीसेस में प्रमाण पत्र।- 5.व्यावसायिक सॉपफ्लोर प्रैक्टीसेस में प्रमाणपत्र।- 6.व्यावसायिक स्कील्स (ऑटोमोटिव) में प्रमाण पत्र 7.व्यावसायिक तैयारी (ऑटोमोटिव) में प्रमाण पत्र	एक वर्ष/ छः माह
2.	प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य	जी0एस0टी0 पाठ्यक्रम में डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र	एक वर्ष/ छः माह
3.	विधि	सूचना का अधिकार पाठ्यक्रम में एक वर्षीय डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र	एक वर्ष/ छः माह
4.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम में स्नातक	एक वर्ष

परीक्षा

- विश्वविद्यालय वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा – दिसम्बर 2017 में आयोजित होने वाली परीक्षा से संबंधित प्राप्त प्रश्नपत्रों का मोडरेशन कार्य प्रारम्भ किया गया।
- विश्वविद्यालय वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा-दिसम्बर 2017 (ग्रीष्मकालीन सत्र (सेमेस्टर) 2017-18 एवं शीतकालीन सत्र (वार्षिक) 2016-17) हेतु परीक्षा आवेदन व सुधार परीक्षा का अस्थाई परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया।
- जून जुलाई 2017 के परीक्षा परीणाम से संबंधित स्क्रूटनी परिणाम घोषित किये गये।

- अक्टूबर माह में 310 मूल उपाधियॉ, 47 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र व अंकतालिकाएं वाहक/डाक से प्रोषित की गई।

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र 2017-18 में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 27.10.17 व 28.10.17 को बी.एड विशिष्ट शिक्षा की तृतीय सेमेस्टर की पुस्तकों की पाठ्य सामग्री की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एस.पी. गुप्ता की अध्यक्षता में एवं डॉ. सिद्वार्थ पोखरियाल के संयोजकत्व में प्रोफेसर जे.के. जोशी, डॉ. जोशी, डॉ. अल्का गुप्ता, प्रोफेसर रम्भा जोशी, डॉ. प्रवीन कुमार तिवारी, डॉ. भावना पलडिय उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम जिसमें इतिहास, वाणिज्य, गृह विज्ञान, होटल प्रबंध, समाज शास्त्र और विज्ञान पाठ्यक्रमों की स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर की स्व अध्ययन सामग्री मुद्रण करा ली गई है तथा विद्यार्थियों को प्रेषित की जा रही है।

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ

विश्वविद्यालय में वर्ष 2016-17 में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र में कुल 8,067 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्रदान की जानी है। इसके साथ ही इन उपाधि धारकों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति जी द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये जाने है। **समारोह हेतु 31 अक्टूबर, 2017 तक 385 ऑनलाईन व 62 ऑफलाईन आवेदन प्राप्त हो चुके है।**

उक्त के अतिरिक्त हल्द्वानी नगर के एक व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ0 प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' के द्वारा 03 स्वर्ण पदकों के प्रायोजन हेतु वांक्षित धनराशि का चेक प्रदान

किया जा चुका है। इस प्रकरण हेतु विद्या परिषद/कार्य परिषद की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है।

जल संरक्षण

आई0आई0टी0 रूड़की द्वारा मेमोरेन्डम ऑफ एग्रिमेंट के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा प्रस्तावित जल संरक्षण हेतु होने वाली एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। यह प्रस्तावित कार्यशाला जल संसाधन विकास के वर्चुअल सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में डॉ0 विरेन्द्र कुमार, सहायक प्रध्यापक, कृषि तथा श्री मोहम्मद अकरम, सहायक प्राध्यापक, भूगोल द्वारा आगामी विज्ञान दिवस दिनांक 28 फरवरी, 2018 को आयोजित की जाएगी।

अन्य गतिविधियॉं

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा सत्र 2017-18 का विधिवत परामर्शसत्र दिनांक 10 अक्टूबर 2017 से शुरू किया गया। योग की काउंसलिंग में छात्रों द्वारा बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया जा रहा है।

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा ‘अयनांश विमर्श’ शीर्षक शोध आलेख UGC Approved Journal International Journal of Jyotish Research पत्रिका ‘वेदचक्षु’ में प्रकाशित हुआ।

- योग विभाग द्वारा माह अक्टूबर,2017 में योग विषय की कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा वेद निकेतन धाम, भूपतवाला, हरिद्वार में निम्नानुसार सम्पन्न की गयी –

क्रम संख्या	विषय	दिनांक	कुल प्रतिभागी
1	एम0 ए0 योग प्रथम वर्ष (MAY-17)	03 अक्टूबर 2017 से 12 अक्टूबर 2017 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अक्टूबर 2017	115
2	एम0 ए0 योग द्वितीय वर्ष (MAY-17)	03 अक्टूबर 2017 से 12 अक्टूबर 2017 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अक्टूबर 2017	48

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ0 भानु जोशी के दिशानिर्देश में प्रात: काल कुल 12 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया। सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें डॉ0 अमृत लाल गुरूर्वेद्र , एसोसिएट प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा डॉ0 मलिक आर0 प्रताप योग विभाग राजकीय एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी डॉ0 नित्यानन्द शर्मा सहायक प्राध्यापक कोटा मुक्त विश्वविद्यालय, पद्मश्री भारत भूषण, डॉ0 पूजा कौशिक डॉ0 मंजू देवराडी, डॉ0 सुरेन्द्र तथा कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डॉ0 भानु प्रकाश जोशी, सहायक प्राध्यापक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समय –समय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

- माह अक्टूबर 2017 में विश्वविद्यालय के डॉ. सुमित प्रसाद, सहायक प्राध्यापक, प्रबंध अध्ययन तथा सुश्री ममता कुमारी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित Orientation Programme में प्रतिभाग किया जा रहा है।

- शैक्षणिक सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किये जाने वाले पाठ्यक्रमों (Ph. D, Master Degree, Bachelor Degree, Post Graduate Diploma) की यू0जी0सी0 डेब से मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा यू0जी0सी0 डेब द्वारा निर्धारित प्रारूप में फार्म को ऑनलाईन भरने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 से शुरू किये जाने वाले सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची व उससे सम्बन्धित अन्य प्रपत्र तैयार कर लिये गये है। पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु ऑनलाईन माध्यम से भरा फार्म (450 पृष्ठ) व उससे संबंधित सलग्नकों (1680 पृष्ठ) को यू0जी0सी0 डेब को प्रेषित किया जा रहा है ताकि समय रहते इस सम्बन्ध में प्रक्रिया शुरू हो सके तथा विश्वविद्यालय को आगामी सत्र से प्रारम्भ किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त हो सके।

- माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा डॉ. भीम राव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय (14-15 अक्टूबर, 2017) अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी में उद्धबोधन हेतु प्रतिभाग किया|

- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं एकादमिक भवन (द्वितीय चरण के निर्माण कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 में शानादेश संख्या 659(1)XXIV(6)/2016-40(4)/12, दिनांक 02 अगस्त, 2016 द्वारा द्वितीय किस्त के रूप में रू0 33.33 लाख तथा शासनादेश संख्या 215/XXIV(6)/2016-40(4)/12, दिनांक 30 मार्च, 2017 द्वारा तृतीय किस्त के रूप में रू0 30 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष में कुल 63.33 लाख प्राप्त हुआ। कार्यदायी संस्था- उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 द्वारा वर्तमान में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन (द्वितीय चरण) का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

- माह अकटूबर, 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये। **विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है (संलग्नक-घ)।**